ट्रक रेसिंग से बदलेगा भारतीय ट्रक ड्राइवरों का चेहरा

चेन्नई : भारतीय समाज में ट्रक ड्राइवरों को आमतौर पर हिकारत भरी नजरों से देखा जाता है लेकिन टीवन प्राइमा ट्रक रेसिंग चैंपियनशिप के तीसरे संस्करण से यह स्थिति बदलने जा रही है और अब भारतीय ट्रक ड्राइवरों को भी सम्मान की नजर से देखा जाएगा। टाटा प्राइमा ट्रक रेसिंग का तीसरा संस्करण 20 मार्च को ग्रेटर नोएडा स्थित फार्मूला वन बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में होगा और इस बार एक नये अभूतपूर्व प्रयोग के तहत 12 भारतीय ट्रक ड्राइवरों को बुद्ध सर्किट में इंडिया ट्रक रेसर ट्राफी के लिए उतारा जाएगा। चैंपियनशिप के पहले दो संस्करणों में सिर्फ ब्रिटिश ड्राइवरों ने हिस्सा लिया था लेकिन इस बार भारतीय ट्रक ड्राइवरों के लिए बकायदा एक अलग रेस आयोजित की जाएगी जिनका चयन यहां मद्रास होटल स्पोर्ट्स ट्रैक पर चल रहे भारतीय ट्रक ड्राइवरों के प्रशिक्षण एवं चयन कार्यक्रम से किया जाएगा।

टाटा मोटर्स का भारतीय ट्रक ड्राइवरों के लिए एक अलग रेस कराने का लक्ष्य समाज में उन्हें सम्मान दिलाना है। टाटा मोटर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (कमर्शियल व्हीकल) आर रामाकृष्णन ने भारतीय ट्रक ड्राइवरों के लिए महत्वकांक्षी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि ट्रक चलाने का प्रोफेशन भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है लेकिन ट्रक ड्राइवरों को सम्मान की नजर से नहीं देखा जाता। इस रेस को लाने का उद्देश्य भारतीय ट्रक ड्राइवरों को यह एहसास कराना है कि वे भी समाज में कोई स्थान रखते हैं।

ट्रक रेसिंग में उतरने जा रहे भारतीय ड्राइवर इस नये बदलाव से काफी खुश नजर आ रहे हैं। ये सभी ड्राइवर पहली बार विमान में सवार हुए थे और अब मद्रास मोटर स्पोर्ट्स ट्रैक पर ट्रेनिंग से गुजर रहे हैं। इन ड्राइवरों के परिवार भी इसे लेकर काफी रोमांचित हैं। ट्रक ड्राइवर मोहम्मद शिराज ने कहा-' पहली बार जब मैं प्लेन में बैठा तो थोड़ी घबराहट हुई। लेकिन तब सोचा कि जो सबका होगा वही मेरा होगा।'